Roll No. _____ Code : 112016-302-A

Please check that this question paper contains **13** questions and **7** printed pages.

कक्षा-ग्यारहवीं

विषय-हिंदी (केंद्रिक)

निर्धारित समय : तीन घंटे **अधिकतम अंक: 90 +10**

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के तीन खंड हैं–क, ख और ग।

(ii) तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड-'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

कुछ लोग भाग्यवादी होते हैं और सब कुछ भाग्य के सहारे छोड़कर कर्म से विरत हो जाते हैं। ऐसे लोग समाज के लिए बोझ हैं। वे कभी कोई बड़ा काम नहीं कर पाते। बड़ी-बड़ी खोज, बड़े-बड़े आविष्कार और बड़े-बड़े निर्माण कार्य कर्मशील लोगों के द्वारा ही संभव हो सकते हैं। हम अपनी बुद्धि, प्रतिभा तथा कार्य-क्षमता के बल पर ही सही मार्ग पर चल सकते हैं, किंतु बिना कठिन श्रम के अपने लक्ष्य तक नहीं पहुँच सकते। कठिन परिश्रम के बाद पाई गई सफलता हमारे मन को अलौकिक आनंद से भर देती है। यदि हम अपने कार्य में अपेक्षित श्रम नहीं करते तो हमारा मन ग्लानि का अनुभव करता है।

(क) बड़े-बड़े कार्य करने के लिए सर्वाधिक आवश्यक क्या है? 2

(ख) परिश्रम करने और न करने से हमारे जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है? 2

(ग) किस प्रकार के लोग समाज के लिए बोझ हैं? 2

(घ) जीवन में बड़ी उपलब्धियाँ कैसे संभव हो सकती हैं? 1

(ङ) 'सफलता' शब्द का विलोम लिखिए। 1

(च) 'कार' प्रत्यय से दो शब्द बनाइए। 1

(छ) यदि हम अपने कार्य में अपेक्षित श्रम नहीं करते तो हमारा मन ग्लानि का अनुभव करता है। (सरल वाक्य में बदलिए) 1

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

सामने कुहरा घना है
और मैं सूरज नहीं हूँ
क्या इसी अहसास में जिऊँ
या जैसा भी हूँ नन्हा-सा
एक दिया तो हूँ
क्यों न उसी की उजास में जिऊँ
हर आने वाला क्षण
मुझे यही कहता है-
अरे भई, सूरज तो नहीं हो तुम
और मैं कहता हूँ-
न सही सूरज
एक नन्हा दिया तो हूँ
जितनी भी है लौ मुझमें
उसे लेकर जिया तो हूँ।
कम-से-कम मैं उनमें तो नहीं
जो चाँद दिल के बुझाए बैठे हैं
रात को अमावस बनाए बैठे हैं
उड़ते फिर रहे थे जो जुगनू आँगन में
उन्हें भी मुट्ठियों में दबाए बैठे हैं।

(क) कुहरा किसका प्रतीक है? 1

(ख) कवि स्वयं को नन्हा दीपक क्यों कहता है? 1

(ग) 'रात को अमावस बनाने' से कवि का क्या तात्पर्य है? 1

(घ) सूरज का प्रतीकार्थ बताइए। 1

(ङ) आँगन में उड़ते जुगनुओं को मुट्ठी में दबाने से कवि का क्या आशय है? 1

खंड-'ख'

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए– 10

(क) युवा पीढ़ी और अनुशासन

(ख) आतंकवाद

(ग) आरक्षण की समस्या

(घ) क्यों पढ़ें हम हिंदी

4. अपने शहर में जल भराव से मच्छरों के प्रकोप के कारण डेंगू एवं मलेरिया जैसी महामारियों की संभावना को देखते हुए उचित कार्यवाही करने हेतु स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए। 5

अथवा

समाज में बढ़ती हुई असुरक्षा के संबंध में अपने विचार प्रकट करते हुए किसी दैनिक पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए–

(क) डीकोडिंग का अर्थ बताइए। 1

(ख) जनसंचार के कौन-कौन से कार्य हैं, स्पष्ट कीजिए। 1

(ग) 'पीत पत्रकारिता' किसे कहते हैं? 1

(घ) एफ.एम. रेडियो की शुरूआत कब हुई? 1

(ङ) रेखांकन से आप क्या समझते हैं? 1

6. 'युवा मन की उड़ान' विषय पर 150 शब्दों में फीचर लिखिए। 5

अथवा

'क्रांति के स्वप्नद्रष्टा : डॉ. अब्दुल कलाम' विषय पर 150 शब्दों में फीचर लिखिए।

खंड-'ग'

7. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

हम तौ एक एक करि जांनां।

दोइ कहैं तिनही कौं दोजग जिन नाहिंन पहिचांनां।

एकै पवन एक ही पानीं एकै जोति समांनां।

एकै खाक गढ़े सब भांड़े एकै कोंहरा सांनां।
जैसे बाढ़ी काष्ट ही काटै अगिनि न काटै कोई।
सब घटि अंतरि तूँही व्यापक धरै सरूपै सोई।
माया देखि के जगत लुभांनां काहे रे नर गरबांनां।
निरभै भया कछू नहिं ब्यापै कहै कबीर दिवांनां।।

(क) कबीरदास परमात्मा के विषय में क्या कहते हैं? 2

(ख) भ्रमित लोगों पर कवि की क्या टिप्पणी है? 2

(ग) लकड़ी और आग के माध्यम से कबीर क्या कहना चाहते हैं, स्पष्ट कीजिए। 2

(घ) 'माया देखि के जगत लुभांनां काहे रे नर गरबांनां' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। 2

अथवा

खुदा नहीं, न सही, आदमी का ख्वाब सही,
कोई हसीन नज़ारा तो है नज़र के लिए।
वे मुतमइन हैं कि पत्थर पिघल नहीं सकता,
मैं बेकरार हूँ आवाज़ में असर के लिए।
तेरा निज़ाम है सिल दे जुबान शायर की,
ये एहतियात जरूरी है इस बहर के लिए।

(क) खुदा के विषय में कवि का क्या नज़रिया है? 2

(ख) 'वे' कौन हैं तथा उनकी सोच क्या है? 2

(ग) कवि किसके लिए बेकरार है? 2

(घ) शासक किस कोशिश में रहता है? 2

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

निकल रहा है जलनिधि-तल पर दिनकर-बिंब अधूरा।
कमला के कंचन-मंदिर का मानो कांत कँगूरा।
लाने को निज पुण्य-भूमि पर लक्ष्मी की असवारी।
रत्नाकर ने निर्मित कर दी स्वर्ण-सड़क अति प्यारी।

(क) उपर्युक्त काव्यांश का भाव-सौन्दर्य लिखिए। 3

(ख) उपर्युक्त काव्यांश का शिल्प-सौन्दर्य लिखिए। 3

अथवा

उस दिन चंपा आई, मैंने कहा कि
चंपा, तुम भी पढ़ लो
हारे गाढ़े काम सरेगा
गाँधी बाबा की इच्छा है-
सब जन पढ़ना-लिखना सीखें
चंपा ने यह कहा कि
मैं तो नहीं पढ़ूँगी
तुम तो कहते थे गाँधी बाबा अच्छे हैं
वे पढ़ने-लिखने की कैसे बात कहेंगे
मैं तो नहीं पढ़ूँगी

(क) उपर्युक्त काव्यांश का भाव-सौन्दर्य लिखिए। 3

(ख) उपर्युक्त काव्यांश का शिल्प-सौन्दर्य लिखिए। 3

9. पाठ्यपुस्तक के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) मीरा कृष्ण के किस रूप पर मोहित थी और उनकी उपासना किस रूप में करती थी? 2

(ख) 'वे आँखें' कविता के आधार पर बताइए कि किसान की पीड़ा के लिए कौन-कौन जिम्मेदार है? 2

(ग) 'हे भूख! मत मचल' कविता के आधार पर बताइए कि लक्ष्य प्राप्ति में मनोविकार किस प्रकार बाधक है? 2

10. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

पंडित अलोपीदीन का लक्ष्मीजी पर अखंड विश्वास था। वह कहा करते थे कि संसार का तो कहना ही क्या, स्वर्ग में भी लक्ष्मी का ही राज्य है। उनका यह कहना यथार्थ ही था। न्याय और नीति सब लक्ष्मी के ही खिलौने हैं, इन्हें वह जैसे चाहती हैं, नचाती हैं। लेटे ही लेटे गर्व से बोले–चलो हम आते हैं। यह कहकर पंडित जी ने बड़ी निश्चिंतता से पान के बीड़े लगाकर खाए। फिर लिहाफ़ ओढ़े हुए दारोगा के पास आकर बोले–बाबू जी, आशीर्वाद। कहिए, हमसे ऐसा कौन-सा अपराध हुआ कि गाड़ियाँ रोक दी गईं। हम ब्राह्मणों पर तो आपकी कृपा-दृष्टि रहनी चाहिए। वंशीधर रूखाई से बोले–सरकारी हुक्म!

(क) लक्ष्मी जी के बारे में पंडित अलोपीदीन का क्या विश्वास था? 2

(ख) गाड़ी पकड़े जाने की खबर पर उनकी क्या प्रतिक्रिया थी और क्यों? 2

(ग) वंशीधर की रूखाई का क्या कारण था? 2

अथवा

मैंने अमरावती के गवर्नमेंट नॉर्मल स्कूल से त्यागपत्र दे दिया। जब तक मैं मुंबई पहुँचा तब तक जे. जे. स्कूल में दाखिला बंद हो चुका था। दाखिला हो भी जाता तो उपस्थिति का प्रतिशत पूरा न हो पाता। छात्रवृत्ति वापस ले ली गई। सरकार ने मुझे अकोला में ड्राइंग अध्यापक की नौकरी देने की पेशकश की। मैंने तय किया कि मैं लौटूँगा नहीं, मुंबई में ही अध्ययन करूँगा।

(क) लेखक ने नौकरी से त्यागपत्र क्यों दिया? 2

(ख) लेखक से छात्रवृत्ति वापिस लेने का कारण बताइए। 2

(ग) सरकार ने उन्हें क्या पेशकश की? 2

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पाठ्यपुस्तक के आधार पर लिखिए– 3×3=9

(क) बादशाह के नाम का प्रसंग आते ही लेखिका की बातों में मियाँ नसीरुद्दीन की दिलचस्पी क्यों खत्म हो गई?

(ख) 'पथेर पांचाली' फिल्म की शूटिंग का काम ढाई साल तक क्यों चला?

(ग) प्रतिस्पर्धा समकक्ष से की जाती है, ऐसा क्या था कि धनराम मोहन को अपना प्रतिद्वंद्वी नहीं समझता था?

(घ) आज़ादी से पहले भारत-निर्माण को लेकर नेहरू जी के क्या सपने थे? भारत माता के प्रति नेहरू जी की क्या अवधारणा थी?

12. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

कुंई की सफलता यानी सजलता उत्सव का अवसर बन जाती है। यों तो पहले दिन से काम करने वालों का विशेष ध्यान रखना यहाँ की परम्परा रही है, पर काम पूरा होने पर तो विशेष भोज का आयोजन होता था। चेलवांजी को विदाई के समय तरह-तरह की भेंट दी जाती थी। चेजारो के साथ गाँव का यह संबंध उसी दिन नहीं टूट जाता था। आच प्रथा से उन्हें वर्ष-भर के तीज-त्योहारों में, विवाह जैसे मंगल अवसरों पर नेग, भेंट दी जाती और फ़सल आने पर खलियान में उनके नाम से अनाज का एक अलग ढेर भी लगता था। अब सिर्फ मज़दूरी देकर भी काम करवाने का रिवाज आ गया है।

(क) आपके विचार से कुंई की सजलता उत्सव का अवसर क्यों बन जाती होगी? 3

(ख) पहले श्रम का सम्मान कैसे किया जाता था? अब उसमें क्या परिवर्तन आ गया है? 2

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लिखिए– 5+5

(क) लेखक ने लता की गायकी की किन विशेषताओं को उजागर किया है? आपको लता की गायकी में कौन सी विशेषताएँ नज़र आती हैं? उदाहरण सहित बताइए।

(ख) जल-संरक्षण आज की अनिवार्यता है, दिनों-दिन बढ़ती पानी की समस्या से निपटने में 'राजस्थान की रजत बूँदें' पाठ आपकी कैसे मदद कर सकता है?

(ग) 'आलो-आँधारि' रचना बेबी की व्यक्तिगत समस्याओं के साथ-साथ अनेक सामाजिक मुद्दों को समेटे है। किन्हीं दो मुख्य समस्याओं पर अपने विचार प्रकट कीजिए।